This Question Paper consists of 35 questions and 6 printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे 35 प्रश्नाः एवम् 6 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्नपत्र में 35 प्रश्न हैं तथा 6 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमाङ्कः : | | | | | | | | | | | | |

Code No.
गूढसंख्या **64/SS/O**

SET **A**

# SANSKRIT VYAKARAN

# संस्कृतव्याकरणम्

## (346)

**Day and Date of Examination :**

**( परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च )** ______________________

**Signature of Invigilators :**

**( निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम् )** 1. ______________________

2. ______________________

**सामान्या निर्देशा/सामान्य निर्देश :**

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
   प्रश्नपत्र के प्रथम भाग में लेखनीय कम हैं।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
   प्रश्नपत्र के प्रश्नों की संख्या प्रारम्भ में दी गई संख्या के समान है या नहीं, ठीक है या नहीं, यह देखने योग्य है।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
   वस्तुनिष्ठ प्रश्न (क), (ख), (ग), (घ) इन विकल्पों में उचित उत्तर चुनकर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
   उत्तर-पुस्तिका में अपना परिचय देते हुए या निर्दिष्ट स्थान को छोड़कर और कहीं भी अपना रोल नं. न लिखें।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **64/SS/O-A** नूनं लेख्या।
   अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या **64/SS/O-A** लिखें।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें।

# SANSKRIT VYAKARAN

# संस्कृतव्याकरणम्

# (346)

**परीक्षासमयावधि: (Time) : होरात्रयम् (3 Hrs) ]** **[ पूर्णाङ्का: (Full Marks) : 100**

**निर्देशा:** (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **10, [B]** भागे **10, [C]** भागे **10, [D]** भागे **5** इति आहत्य **35** प्रश्ना: सन्ति।
इस पत्र में **[A]** भाग में **10, [B]** भाग में **10, [C]** भाग में **10** व **[D]** भाग में **5** कुल मिलाकर **35** प्रश्न है।

(ii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्का: × प्रश्ना: = पूर्णाङ्का:) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।
प्रश्न के दाहिने तरफ संख्या का निर्देश है।

(iii) **सर्वे** प्रश्ना: **अनिवार्या:**।
**सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

---

**(A) दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत।** **1x10=10**
**दसों के उचित विकल्प चुनिए :**

**1.** अनद्यतनभविष्यति क: लकार: भवति।

(क) लङ् (ख) लिङ्
(ग) लुट् (घ) लृट्

अनद्यतन भविष्यति में कौनसा लकार होता हैं?

(क) लङ् (ख) लिङ्
(ग) लुट् (घ) लृट्

**2.** न राजा इति विग्रहस्य समास: क्रियते चेत् किम् रूपम् साधु।

(क) अराज: (ख) अराज्ञा
(ग) अराजा (घ) एषु किमपि न

'न राजा' ऐसा समास विग्रह करने पर कौनसा रूप उचित है?

(क) अराज: (ख) अराज्ञा
(ग) अराजा (घ) इनमें कुछ भी नहीं

**3.** अव्ययीभावसमासस्यं इदम् लिङ्गम् भवति।

(क) पुंलिङ्गम् (ख) स्त्रीलिङ्गम्
(ग) नुपुंसकलिङ्गम् (घ) सर्वाणि लिङ्गानि

अव्ययीभाव समास का यह लिङ्ग होता है।

(क) पुल्लिङ्ग (ख) स्त्रीलिंग
(ग) नपुंसकलिङ्ग (घ) सभी लिङ्ग

4. केभ्य: धातुभ्य: श्नम् विधीयते।

(क) दिवादिभ्य: (ख) रुधादिभ्य:

(ग) तनादिभ्य: (घ) अदादिभ्य:

किन धातुओं में श्नम् का प्रयोग होता है?

(क) दिवादिगण (ख) रुधादिगण

(ग) तनादिगण (घ) अदादिगण

5. इतश्च इति सूत्रस्योदाहरणं किम्।

(क) भवतात् (ख) भवेत्

(ग) अभवम् (घ) अभूत

इतश्च सूत्र का उदाहरण क्या है?

(क) भवतात् (ख) भवेत्

(ग) अभवम् (घ) अभूत

6. अनद्यतनपरोक्षभूते क: लकार: भवति।

(क) लङ् (ख) लिङ्

(ग) लुट् (घ) लिट्

अनद्यतन परोक्ष भूतकाल में कौनसा लकार होता है?

(क) लङ् (ख) लिङ्

(ग) लुट् (घ) लिट्

7. अगमत इत्यत्र किं वचनम्।

(क) एकवचनम् (ख) द्विवचनम्

(ग) बहुवचनम् (घ) एकमपि न

अगमत यहाँ किस वचन का प्रयोग हुआ है?

(क) एकवचन (ख) द्विवचन

(ग) बहुवचन (घ) इनमें कुछ भी नहीं

8. तनोति इत्यत्र गणविकरणम् किम्।

(क) शप् (ख) श्नम्

(ग) नु (घ) उ

तनोति इस शब्द में क्या गण है? (विभाजन)

(क) शप् (ख) श्नम्

(ग) नु (घ) उ

9. अरुण: इत्यत्र क: लकार:।

(क) लट् (ख) लङ्

(ग) लुङ् (घ) लृङ्

अरुण: यहाँ क्या लकार है?

(क) लट् (ख) लङ्

(ग) लुङ् (घ) लृङ्

10. श्नसोरल्लोप: इत्यनेन लोप: कस्मिन् परे।

(क) सार्वधातुके (ख) आर्धधातुके

(ग) क्ङिति (घ) सार्वधातुके क्ङिति

श्नसोरल्लोप: – इसमें लोप किसके बाद है?

(क) सभी धातुओं के बाद (ख) अर्ध धातुओं के बाद

(ग) क्ङ् के बाद (घ) सभी धातुओं के क्ङ् के बाद

**(B) दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लघूनि लिखत।** **2x10=20**

**निर्देशानुसार दस प्रश्नों के लघूत्तर दीजिए :**

1. क: नित्यसमास:। किंराजा इति नित्यसमासो न वा। **1+1**
नित्य समास किसे कहते हैं? क्या किं राजा नित्य समास है या नहीं?

2. उपवृक्षम् इत्यस्य विग्रह: क:। समासश्च क:। **1+1**
उपवृक्षम् इसका क्या विग्रह है और यह कौनसा समास है?

3. अधिगृहम् इत्यत्र क: समास:। कस्य पदस्यार्थ: अत्र प्रधान:। **1+1**
अधिगृहम् इसमें क्या समास है इसमें किसका अर्थ प्रधान है?

4. चिक्रय इति रूपम् कस्य धातो:। कश्चात्र लकार:। **1+1**
चिक्रय यह रूप किस धातु का है और यहाँ क्या लकार है?

5. क्रीणीत: इत्यत्र श्नाप्रत्ययस्य आकारस्य ईकार: केन सूत्रेण। कश्च तस्य सूत्रस्यार्थ:। **1+1**
क्रीणीत: इसमें इन प्रत्यय के आकार व ईकार किस सूत्र से बना है और उस सूत्र का क्या अर्थ है?

6. कुर्म: इत्यत्र प्रत्ययस्यं उकारस्य लोप: केन सूत्रेण। कश्च तत्सूत्रार्थ:। **1+1**
कुर्म: इसमें प्रत्यय के उकार का लोप किस सूत्र से हुआ है और उस सूत्र का क्या अर्थ है?

7. रुध्–धातो: परस्मैपदं भवति आत्मनेपदम् वा। रुध्–धातु: कस्मिन् गणे अन्तर्भवति। **1+1**
रुध् धातु परस्मैपदी है या आत्मने पदी। रुध् धातु की गणना किस गण में होती है?

8. छान्दसः इत्यस्य अर्थः कः। कश्चात्र तद्धितप्रत्ययः। 1+1
छान्दसः इसका क्या अर्थ है? इसमें कौनसा तद्धित प्रत्यय है?

9. मीमांसाम् अधीते वेद वा इत्यत्र तद्धितप्रत्यये किम् रूपम्। सूत्रं च किम्। 1+1
मीमांसाम् अधीते वेद वा – इसमें तद्धित प्रत्यय का क्या रूप है और इसमें क्या सूत्र है?

10. लता देशे सन्ति किञ्च देशस्य नाम अपि लताशब्दात् लभ्यते तर्हि देशस्य नाम किम्। केन सूत्रेण च प्रत्ययः। 1+1
लता देशे सन्ति लता देश में है देश का नाम भी लता शब्द से मिलता है तो देश का नाम क्या है? किस सूत्र से यह प्रत्यय बना है?

**(C) दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त।** **4x10=40**

**दस लघू उत्तरों में प्रश्नों का समाधान कीजिए :**

1. मानिनी लिखन्ती इत्यनयोः एकम् रूपं ससूत्रं साधयत।
मानिनी लिखन्ती इनको एक रूप में बनाकर सूत्र सहित उत्तर दीजिए।

2. तद्धितेष्वचामादेः इति तत्पुरुषः समानाधिकरणः कर्मधारयः इति अनयोरेकं सूत्रं व्याख्यात।
तद्धित में अचामादि तत्पुरुष, समानाधिकरण कर्मधारय इनकी एक सूत्र में व्याख्या कीजिए।

3. क्रीणामि पूजयतु इत्यनयोरेकं रूपं ससूत्रं साधयत।
क्रीणामि, पूजयतु इन दोनों को एक रूप में सूत्र सहित जोड़िए।

4. टित आत्मनेपदानां टेरे इति सूत्रं व्याख्यात।
टित आत्मनेपदी टेरे इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

5. नेर्विशः इति सूत्रं व्याख्याय निविशते इति रूपं ससूत्रं साधयत।
नेर्विशः इस सूत्र की व्याख्या करके निविशते इस रूप की सूत्र सहित व्याख्या कीजिए।

6. चिण्भावकर्मणोः इति सूत्रम् व्याख्यात।
चिणभावकर्मणोः इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

7. कनिष्ठा भर्त्री इत्यनयोः एकम् रूपं ससूत्रं साधयत।
कनिष्ठा भर्त्री इनको एक रूप में जोड़कर सूत्र सहित व्याख्या कीजिए।

8. दिङ्नामान्यन्तराले इति इच्कर्मव्यतिहारे इति अनयोरेकं सूत्रं व्याख्यात।
दिङ्नामान्यन्तराले – इच्कर्मव्यतिहारे इन दोनों की एक सूत्र में व्याख्या कीजिए।

9. चेततु गदतु इत्यनयोरेकं रूपं ससूत्रं साधयत।
चेततु, गदतु इन दोनों की एक सूत्र में व्याख्या कीजिए।

10. गाङ्गः इति रूपं ससूत्रं साधयत।
गाङ्ग इस रूप की सूत्र सहित व्याख्या कीजिए।

**(D) पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः।** **6x5=30**

**पाँच प्रश्नों का दीर्घ उत्तर दीजिए :**

1. कवाटकाष्ठम् इति समासम् ससूत्रं साधयत।
   'कवाटकाष्ठम्' इस समास को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

2. अकृत्सार्वधातुकयोर्दीर्घः इति सूत्रं व्याख्यात।
   अकृत्सार्वधातुकयोर्दीर्घः इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

3. दीव्यन्तु दीव्यानि इत्यनयोरेकं रूपं ससूत्रं साधयत।
   दीव्यन्तु दीव्यानि इनको एक रूप में सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

4. धातोः कर्मणः समानकर्तृकादिच्छायां वा इति सूत्रं व्याख्यात।
   ''धातोः कर्मण, समानकर्त्तुकादिच्छायां वा'' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

5. भावयतु स्थापय इति अनयोरेकं रूपं ससूत्रं साधयत।
   'भावयतु' 'स्थापय' इति इन दोनों को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

- o O o -